दिनांक :- 18/10/22 (35)

'चिकित्सा पद्धति में विश्वगुरु बनेगा आयुर्वेद'

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयुर्वेद व धन्वंतरि पर्व की शुरुआत

मर उजाला ब्यूरो

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती के साप्ताहिक समारोह के शुभारंभ के दौरान मंच पर मौजूद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह व अन्य अतिथि। विज्ञप्ति

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में सातवें आयुर्वेद पर्व एवं धन्वंतरि जयंती का साप्ताहिक समारोह का शुभारंभ सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह ने कहा कि दुनिया की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में विश्वगुरु बनने की क्षमता है।

कहा कि आयुर्वेद को चिकित्सा पद्धतियों का सिरमौर बनाने की म्मेदारी आयुर्वेद की पढ़ाई कर रहे छात्रों और इस विधा के वैद्यों पर है। उन्होंने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए औषधीय द्रव्यों के संकलन पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि ललित हरि राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय पीलीभीत के प्राचार्य प्रो. एसएस बेदार ने कहा कि 2022 से 2047 तक का समय आयुर्वेद का अमृत काल है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कोरोना संकट काल में पूरे विश्व ने आयुर्वेद की महत्ता को स्वीकार किया है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने की।

इस मौके पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय लखनऊ की प्रो. डॉ शशि शर्मा, दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. डीपी सिंह, गुरु श्री गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज की प्राचार्य डॉ. डीएस अजीथा, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. गणेश पाटिल, डॉ. प्रज्ञा सिंह मौजूद रहीं। संचालन शांभवी शुक्ला और आशीष चौधरी ने किया।